भा कृ अनु प – सी एम एफ आर आइ में मात्स्यिकी सचिव, श्री जतिंद्र नाथ स्वैन, आइ ए एस का दौरा

श्री जतिंद्र नाथ स्वैन, आइ ए एस, सचिव (मात्स्यिकी), मात्स्यिकी विभाग, भारत सरकार और डॉ. जुज्जवारपु बालाजी, आइ ए एस, संयुक्त सचिव (समुद्री मात्स्यिकी) ने दिनांक 24 सितम्बर, 2021 को भा कृ अनु प- केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान (सी एम एफ आर आइ) का दौरा किया । उन्होंने आनलाइन माध्यम से मुख्यालय, कोच्ची और देश भर में स्थित संस्थान के विविध क्षेत्रीय अनुसंधान स्टेशनों के वैज्ञानिकों के साथ विचार–विमर्श किया।

श्री जतिंद्र नाथ स्वैन ने कहा कि केन्द्रीय सरकार उच्च प्रत्याशित समुद्री शैवाल उपज के ज़रिए टिकाऊ अर्थव्यवस्था विकसित करने की आशा में है । उन्होंने कहा कि दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन मानव जीवन के लिए खतरा बन रहा है और ऐसी स्थिति में वैश्विक संकट के प्रभाव को कम करने और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए समुद्री शैवाल का पालन मदद करेगी, जो वैश्विक संकट को कम करने के प्राकृतिक तरीकों में से एक है। ऐसे संकट के समय परंपरागत मछुआरों के सामाजिक–आर्थिक उत्थान में एक अतिरिक्त आजीविका विकल्प के रूप में समुद्री शैवाल पालन प्रमुख भूमिका निभाएगी ।

निरीक्षण बैठक में श्री जतिंद्र नाथ स्वैन, आइ ए एस, सचिव (मात्स्यिकी)

समुद्रीशैवाल बीज बैंक

सचिव ने भा कृ अनु प – सी एम एफ आर आइ से तटीय क्षेत्र में समुद्री शैवाल के प्रचलन के लिए बीज बैंक स्थापित करने के बारे में बात की। समुद्री वैज्ञानिकों को बड़े पैमाने में समुद्री शैवाल उपज विकसित करने के विविध तरीके ढूँढने चाहिए। श्री जतिंद्र नाथ स्वैन ने कहा कि प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (पी एम एम एस वाय) में समुद्री शैवाल पालन को विशेष प्रधानता दी है ।

समुद्री खाद्य निर्यात दोगुना करना

समुद्री मात्स्यिकी क्षेत्र में देश की महत्वकांक्षी योजना को विस्तार से बताते हुए मात्स्यिकी सचिव ने कहा कि भारत अगले पांच वर्षों में समुद्री खाद्य निर्यात को दोगुना करने पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि देश की प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाने हेतु उत्पादन बढ़ाकर नए तरीकों की खोज करते हुए लक्ष्य को अर्जित करने में हम आशान्वित है । श्री स्वैन ने कहा कि विविध समुद्री संवर्धन गतिविधियों के लिए बीज उत्पादन और स्फुटनशाला अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में प्रौद्योगिकीय विकास महत्वपूर्ण है।

श्री स्वैन ने कहा कि सरकार द्वारा समुद्री पिंजरा मछली पालन को बढाने में सहायता दी जाएगी, जो परम्परागत मछुआरों को आय का अतिरिक्त श्रोत प्रदान करनेके अलावा उनकी आय दोगुना कर देगी। उन्होंने तटीय क्षेत्रो में पिंजरा मछली पालन बढाने में सी एम एफ आर आइ के प्रयासों की सराहना की।

समुद्र रैंचन

मात्स्यिकी विशेषज्ञ ने कहा कि सी एम एफ आर आइ द्वारा पिछले कुछ वर्षों में पाक खाड़ी में प्रजातियों के टिकाऊ प्रभव को बनाए रखने और परिरक्षण के लिए विविध क्षेत्रों में हरित पुली चिंगटों के बीजों का समुद्र रैंचन करने में सफलता मिली है। संस्थान की विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों और उपलब्धियों के लिए उन्होंने डॉ. ए. गोपालकृष्णन, निदेशक की सराहना की।

मंडपम क्षेत्रीय केन्द्र में आयोजित समुद्र रैंचन कार्यक्रम